पाठशाला जाए सभी बच्चे जहाँ है ज्ञान का भंडार,
जैन धर्म की शिक्षा है अनमोल , सभी जाए और पाए जैन धर्मकी शिक्षा अपरंपार,
जीने की राह, धर्म का मार्ग, और जाने धर्म का आधार
सब कुछ मिलेगा यहाँ, जो जीवन में लाएगा चमतकार
और होगी उन्नति आपके ज्ञान की और होगा आपका उद्धार।।
आज के इस बदलते परिवेश में, जहाँ मन को लुभाने वाले, भटकाने वाले बहुत से साधन है, इसी माहौल में अगर अपने बच्चो को सभी पालक नियमित रूप से भेजेंगे , तो
एक संस्कार वान और धर्मिक इंसान के रूप में आपके
बच्चे का उजागर अवशय होगा।।हर पाठशाला का केवल एक ही उद्देश्य होना चाहिए की, सभी बच्चो को धर्म के संस्कार के साथ साथ, नैतीक शिक्षा भी अवश्य मिले। जो उनके जीवन में उनको उन्नति की ओर लेकर जाएंगी। इसी के साथ साथ पाठशाला में एक महीने में एक बार कभी बाल सभा भी लगाए इसके अंतर्गत बच्चो को पहले बोल दिया जाए की उन्हें घर से धर्मिके कहानी, भजन, कोई धर्मिक गीत, स्तुति, पाठ धर्म से संबंधित कुछ सीखकर आना है अपनी अपनी प्रस्तुति सब बच्चो के सामने देनी है, इस से बच्चो को स्टेज पर किस तरीके से प्रस्तुति देनी है , इसका भी पता चल जाएगा, और कभू जीवन में स्टेज पर बोलने का मौका आएगा तो डर भी नही लगेगा। यह आगे भी उनको बडे होने पर काफी उपयोगी साबित होगा। इसी क्रम में कभी बच्चों को अभिषेक, पूजन भी करवाते रहे, ताकि बड़े होने पर उनको बहुत सी पूजन भी याद हो जायेगी, ये एक बहुत जरूरी कार्य है , जो सभी
पाठशाला में उपयोगी सबित होगा। बच्चो को नियमित रूप से रोज एक छोटे छोटे नियम भी दे, जो उनको उस दिन के लिये करना होगा जैसे,मम्मी पापा के पैर छूना, ॐ कर माला फेरना,रात में णमोकार मंत्र बोलना, इत्यादी यहहै छोटे छोटे नियम बड़े कारगर साबित होंगे। पाठशाला में प्रेरणा दायक और महान शुर वीरो की गाथा भी सुनाई जाए, ताकि इन प्रेरक कहानियों के माध्यम से जीवन की नई दिशा की ओर बच्चें अग्रसर हो सके। और एक जिम्मेदार , महान नागरिक के रूप में उनकी पहचान बन सके।
जो पाठशाला पढ़ाते हैं, उन सभी को भी एक आदर्श के रूप में बच्चों के सामने प्रस्तुत होना चाहिये। अपने जीवन में सादा जीवन उच्च विचार इसको जीवन में उतारना चाहिए ताकि बच्चो को भी इसी राह पर अग्रसर कर सके।
बच्चो के आदर्श होते है उनके शिक्षक इसीलये वे सभी कार्य जो आप बच्चों को करवाने चाहते हो वे सभी आप भी अपने जीवन में करे। पाठशाला के शिक्षक को समय पाबंद ,सौम्य पहनावा, मीठी बोली दिखावटी से दूर रहकर बच्चो के सामने एक आदर्श के रूप मे सामने आना चाहिए।
 वर्तमान दौर में हम पाठशाला को नई नई तकनीकों से जोड़ कर आगे, बढ़ा सकते है, जैसे बड़े, बड़े स्क्रीन लगाकर इसमें आप विभिन्न महान आदर्श व्यक्ति यो का चित्रण करके प्रस्तुति करण किया जा सकते है, एनिमेटेड प्रेरक कहानी यो को भी शामिल किया जा सकता है। जिस से बच्चों को शिक्षा
मिले और उनका जीवन फूलो की तरह महक उठेगा।।।
*बच्चों को देने है , अच्छे संस्कार,
भेजना होगा सभी बच्चों को पाठशाला हर बार।।।